



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

५१

सं. 480] नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 21, 1994/कार्तिक 30, 1916  
No. 480] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 21, 1994/KARTIKA 30, 1916

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1994

सं. 188/94—सीमाशुल्क

सा. का. नि. 823 (अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार

के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 182/92 सीमाशुल्क, तारीख 6 मई, 1992 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में:—

(क) प्रारम्भिक पैरा में, “जब उसका आयात भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 257-आईटीसी (पी एन)/90-93 तारीख 11 दिसम्बर, 1991 में अधिसूचित आभूषण और वस्तुओं के निर्यात की स्कीम के अधीन भारत में किया जाए” भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात्:—

“जब उसका आयात भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 1—आईटीसी (पी एन)/92-97 तारीख 31 मार्च, 1992 द्वारा अधिसूचित निर्यात और आयात नीति 1 अप्रैल, 1992-31 मार्च, 1997 के पैरा 88 में यथा विनिर्दिष्ट स्कीम च या स्कैम छ के अधीन भारत में किया जाए और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 71 के अन्तर्गत आने वाले 0.920 की शुद्धता तक स्वर्ण उपपत्ति (फाईन्डिंग), मढ़ाई या टांकों को जब उसका आयात उक्त नीति के पैरा 88 में विनिर्दिष्ट स्कीम च के अधीन भारत में किया जाए,”

(ख) खंड (ii) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

(ii) उक्त स्कीमों की दशा में आयातकर्ता ऐसे प्ररूप में और ऐसी राशि का, जो सीमा शुल्क सहायक कलक्टर विनिर्दिष्ट करे, एक बंधपत्र निष्पादित करता है जिसके द्वारा वह यह बचनबध देता है कि वह स्वयं आभूषण या वस्तुएं जिसमें आयातित स्वर्ण के बराबर स्वर्ण अंश हो, जिसके अन्तर्गत स्वर्ण उपपत्ति (फाईन्डिंग) मढ़ाई या टांके भी हैं अनुवद्ध अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर पर्याप्त हेतुक दर्शित करने पर अनुज्ञात करे, निर्यात करेगा और इस बात के लिए बाध्य होगा कि वह आयातित मात्रा और निर्यात किए गए आभूषण या वस्तुओं में अनुविष्ट मात्रा के बीच अंतर को दर्शाने वाली स्वर्ण मात्रा पर, मांगे जाने पर शुल्क का संदाय करेगा।

[फा. सं. 354/57/93 टी आर यू]

तरुण कुमार गोविंद, अव्वर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 21st November, 1994

NO. 188/94-CUSTOMS

G.S.R. 823(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 182/92-Customs, dated the 6th May, 1992, namely :—

In the said notification,—

- (a) in the opening paragraph, for the portion beginning with the words under the Scheme for export of gold jewellery and articles” and ending with the words and figures “dated the 11th December, 1991”, the following shall be substituted, namely :—

“under the Scheme F or Scheme G as specified in paragraph 88 of the Export and Import Policy, 1 April, 1992 — 31 March, 1977, notified by the Government of India in the Ministry of Commerce, Public Notice No. 1-ITC(PN)/92-97, dated the 31st March, 1992, and gold findings, mountings or solders upto 0.920 fineness and falling under Chapter 71 of the said First Schedule to the said Customs Tariff Act, when imported into India, under the Scheme F specified in paragraph 88 of the said Policy,”;

- (b) for cause (ii), the following clause shall be substituted, namely :—

“(ii) in the case of the said Schemes, the importer executes a bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, undertaking himself to export gold jewellery or articles, having gold content equivalent to the imported gold including gold findings, mountings or solders within

the period stipulated, or such extended period as the Assistant Collector of Customs on sufficient cause being shown may allow, and binding himself to pay on demand duty on a quantity of gold representing the difference between the quantity imported and that contained in the exported jewellery or articles.”.

[F. No. 354/57/93-TRU]

TARUN KUMAR GOVIL, Under Secy.